सदा जपिये—

आनन्द धाम गौड़ीय आश्रम, वृन्दावन

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे॥

और खुश रहिए।